समाचार संक्षेप

ओडिशा में एंबुलेंस हादसे में मरीज समेत तीन की मौत

भुवनेश्वर, 22 फरवरी (ए) ओडिशा के कटक जिले के तांगी थाना के बांड्लो टोल गेट के पास शनिवार को एक एंबुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होने से मरीज और चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गयी तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

यह हादसा उस समय हुआ जब एंबुलेंस एक खड़े ट्रक से जा टकराया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो अन्य ने कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों को गंभीर हालत में उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस पर पश्चिम बंगाल के पांच निवासी सवार थे जो एक मरीज के साथ जा रहे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया।

बलरामपुर और बावरी-घाट का नाम बलरामपुर घाट होगा: पटेल

होशंगाबाद, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि गुलामी के प्रतीक चिन्हों को और गुलामी की निशानियों को बदला जाएगा।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री पटेल गत दिवस नर्मदा जयंती पर आयोजित समारोह में होशंगाबाद जिले के ग्राम बावरी का नाम जनता की सार्वजनिक मांग पर बलरामपुर और बावरी-घाट का नाम बलरामपुर घाट करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जन- आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए नामों को बदलने की कार्यवाही नियमानुसार की जाएगी। स्वतंत्रता के बाद वर्षों तक इसे सहा है अब और अधिक सहन करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता की मांग को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम नियमानुसार उठाए जाएंगे। नर्मदा समारोह में नर्मदा मैया की पूजा अर्चना और आरती की गई। श्री पटेल ने नर्मदा मैया से सभी की खुशहाली की और समृद्धि की कामना की।

सागर के विकास में पैसा बाधा नहीं बनेगा: सिंह

सागर, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा है कि सागर का विकास पूरी कार्ययोजना बनाकर किया जा रहा है। श्री सिंह ने यहां केंद्र सरकार की अमृत योजना के तहत नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के माध्यम से बनाए गए अटल पार्क का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सागर के विकास में पैसों की कमी बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि सागर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने अंत में अटल पार्क में घोषणा की कि अटल पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कांग्रेस के बंद को प्रदेश की जनता ने नकार दिया: सबनानी

भोपाल, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री भगवानदास सबनानी ने आज कहा कि कांग्रेस द्वारा आहुत प्रदेश बंद जनहित में नहीं, बल्कि कांग्रेस का विशुद्ध राजनीतिक आयोजन था, जिसे प्रदेश की जनता ने नकार दिया है। श्री सबनानी ने कांग्रेस के प्रदेश बंद पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के इस आह्वान को खारिज करके प्रदेश की जनता ने बता दिया है कि वह कांग्रेस के साथ नहीं, बल्कि देश-प्रदेश की तरक्की और विकास के साथ है। उन्होंने कहा कि बंद के पीछे छिपी कांग्रेस की मंशा उसी दिन उजागर हो गई थी, जब उसने सिर्फ मध्यप्रदेश में बंद का फैसला लिया था, जबकि पेट्रोल-डीजल, गैस जैसी जिन वस्तुओं की कीमतों का कांग्रेस मध्यप्रदेश में विरोध कर रही है, वह कांग्रेस शासित राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी उतनी ही है। श्री सबनानी ने कहा कि प्रदेश की जनता यह भलीभांति जानती है कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस के नेता सिर्फ अपनी अप्रासंगिक हो चुकी पार्टी के राजनीतिक वजूद का अहसास कराना चाहते हैं। श्री सबनानी ने कहा कि वह कांग्रेस के बहकावे में न आने के लिए प्रदेश की जनता और व्यापारियों के प्रति आभार जताते हैं कि जिन्होंने बंद को अपना समर्थन नहीं दिया।

रोजगार मेला नौजवानों के लिए उम्मीदों का सागर: भार्गव

सागर, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव कहा है कि रोजगार मेला नौजवानों के लिए उम्मीदों का सागर है साथ ही हमारी बेटियां दो परिवारों का सहारा होती हैं। श्री भार्गव ने जिले के गढ़ाकोटा में आयोजित रोजगार मेला में मुख्य अतिथि के तौर पर शासकीय महाविद्यालय गढ़ाकोटा में बोलते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गढ़ाकोटा में आयोजित रोजगार मेला को नौजवानों का उम्मीदों का सागर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां दो परिवारों का सहारा होती हैं और दो परिवारों को चलाने में अपनी भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वालों के लिए कोई चीज असंभव नहीं होती, उन्होंने मुहावरे के रूप में कहा कि जो मेहनत करते हैं वह पत्थर फोड़कर भी पानी निकाल लेते हैं, इसी प्रकार कड़ी मेहनत हो पक्का इरादा और अनुशासन आपके लिए आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। रोजगार मेला में कलेक्टर दीपक सिंह ने कहा कि रोजगार मेले आयोजित कर जिले की बेरोजगारों को रोजगार रोजगार उपलब्ध कराना मेरी पहली प्राथमिकता है और इसी कड़ी में यह मेला सार्थक सिद्ध होगा।

भारत के पास विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में एक समृद्ध विरासत है: आनन्दीबेन

उज्जैन, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज कहा कि भारत के पास विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में एक समृद्ध विरासत है। देश एक बार फिर जगतगुरू बनने की दिशा में अग्रसर है। श्रीमती पटेल ने यह बात यहां विक्रम विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षान्त समारोह में कही। दीक्षान्त समारोह में श्रीमती पटेल ने 325 छात्रों को वर्ष 2018-19 की पीएचडी उपाधि, स्नातक वर्ष 2018-19 की उपाधि तथा स्नातकोत्तर वर्ष 2018-19 की उपाधि एवं मेडल वितरित किये। इस मौके पर राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो डी.पी. सिंह, विधायक पारस जैन, कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय, कुलसचिव डॉ. उदय नारायण शुक्ल, विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, सचिन दवे, सुश्री ममता बेंडवाल तथा डॉ. विनोद यादव सहित संकायाध्यक्ष, छात्र एवं प्राध्यापक मौजूद थे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ यादव ने कहा कि हमें एक नई शिक्षा नीति को स्वीकार करने का सुयोग प्राप्त हुआ है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की प्रथम शिक्षा नीति है, जिसका लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिये अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है। शिक्षा नीति में भारत की महान प्राचीन परम्परा तथा उसके सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाया गया है। प्रत्येक व्यक्ति में निहित अपरिमित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर नीति में विशेष रूप से बल दिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग इस नीति के क्रियान्वयन में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा तथा एकाग्रता के साथ निभा रहा है।

दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह ने कहा कि राष्ट्ररूपी नौका का खिवैया युवा वर्ग ही होता है। उनमें छलकता हुआ जोश, कुछ कर गुजरने का जुनून, आंखों में संजोये हुए भविष्य के सपने, सुन्दर कल की उम्मीद, आसमान को छू लेने की ललक होती है। युवा ही शासक, प्रशासक, शिक्षक, वैज्ञानिक, संगीतकार, साहित्यकार, चिकित्सक, अभियंता एवं कलाकार के रूप में अपने योगदान से सम्पूर्ण विश्व में राष्ट्र की विशेष पहचान स्थापित करते हैं। नई पीढ़ी की अनन्त सृजनशीलता और असीम जिज्ञासा के परिपोषण हेतु उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय ने स्वागत उद्गार प्रकट करते हुए कहा कि अवन्तिका के विद्या वैभव को पुनः प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से 1957 ईसवीं में विक्रम विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। स्थापना के वर्ष से वर्तमान तक विश्वविद्यालय निरन्तर अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अग्रसर है। वर्तमान में विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार उज्जैन संभाग के सात जिलों में फैला है, जिसमें कुल 188 महाविद्यालय एवं 14 शोध केन्द्र हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा 31 अध्ययन केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज के दीक्षान्त समारोह में विशेष उपलब्धियों के लिये वर्ष 2018 और 2019 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, शोधार्थियों को शोध उपाधियाँ एवं स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गई है। दीक्षान्त समारोह का संचालन एवं आभार कुलसचिव डॉ. उदय नारायण शुक्ल ने किया।

सिर्फ डिग्री नहीं श्रेष्ठ मानव बनने के लिये ग्रहण करें शिक्षा- आनंदीबेन

इंदौर, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विद्यार्थी सिर्फ डिग्री नहीं श्रेष्ठ मानव बनने के लिए शिक्षा ग्रहण करें। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने इंदौर की सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी के द्वितीय वार्षिक दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों द्वारा किये गये कठिन परीश्रम के माध्यम से जो ज्ञान प्राप्त हुआ है, उसका उपयोग सिर्फ डिग्री या रोजगार प्राप्त करने के लिये नहीं बल्कि श्रेष्ठ मानव बनने के लिये करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवा रोजगार माँगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार प्रदान करने वाले बनकर आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें। सभी विद्यार्थी अपनी प्राथमिकताएं सुनिश्चित कर उनके प्रति पूरी ऊर्जा एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश का संविधान बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के महत्व को दर्शाता है। इस शिक्षा का प्रयोग जरूरतमंदों तथा समाज की बेहतरी के लिये करना चाहिये।

उन्होंने समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जब वे किसी बड़ी इंडस्ट्री में कार्य करें, तब वहाँ नीचे पायदान पर कार्यरत कर्मचारियों को अपनी शिक्षा एवं विचारों से मार्गदर्शन प्रदान कर आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह साधन है जिससे न केवल आप आगे बढ़ते हैं बल्कि समाज में पीछे छूट रहे व्यक्तियों को भी अपने साथ उंगली पकड़कर आगे बढ़ाते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पाँच छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों में राज्यपाल ने स्वर्ण पदक प्रदान किया और कुल 331 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इस समारोह में पूर्व लोकसभा स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. स्वाति मजूमदार, वाइस चांसलर डॉ. संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी तथा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर औ विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

भोपाल, 22 फरवरी। गिरीश गौतम होंगे विधानसभा के अगले अध्यक्ष।

खजुराहो नृत्य समारोह के शुभारंभ अवसर पर शिवराज ने दीं शुभकामनाएं

भोपाल, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्व प्रसिद्ध खजुराहो नृत्य समारोह के शुभारंभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। साथ ही उन्होंने समारोह में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का हृदय से स्वागत किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान ने कहा है कि खजुराहो नृत्य समारोह केवल एक आयोजन नहीं है, अपितु यह उपासना भी है तथा साधना और आराधना भी। उन्होंने कहा है कि इस बार का नृत्य समारोह विशेष होगा। नृत्य का यह प्रतिष्ठा आयोजन वर्ष 1975 में खजुराहो मंदिर प्रांगण में प्रारंभ हुआ था। प्रारंभिक वर्षों में यह प्रांगण के अंदर ही आयोजित होता था, परंतु बाद में पुरातात्विक कारणों से इसका आयोजन प्रांगण के बाहर किया जाने लगा। पुरातत्व विभाग की अनुमति मिलने पर इस वर्ष समारोह का आयोजन मंदिर प्रांगण में ही हो रहा है।

पटेल ने निभाया इंसानियत का फर्ज

भोपाल, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने बैतूल से हरदा लौटते समय रास्ते में सड़क दुर्घटना के तीन घायलों को स्वयं के फलों वाहन से बैतूल अस्पताल के लिए तत्काल रवाना किया और बैतूल के कलेक्टर को उपचार के समुचित निर्देश भी दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री पटेल ने बैतूल से हरदा लौटने के दौरान चीरापाटला से गवासेन के बीच अजई घाट पर सड़क दुर्घटना में खून से लथपथ पड़े लोगों को देखकर तुरंत अपना काफिला रुकवाया। उन्होंने इंसानियत का फर्ज निभाते हुए बगैर किसी औपचारिकता के तत्काल अपने काफिले के फ़ॉलो एवं पायलेट वाहन से घायलों को बैतूल अस्पताल के लिए रवाना किया।

8290 हेक्टेयर क्षेत्र में लघु वनोपज की योजना मंजूर- विजय शाह

भोपाल, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के वन मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा है कि लघु वनोपज संघ द्वारा 8 हजार 290 हेक्टेयर क्षेत्र में लघु वनोपज प्रजातियों के रोपण की योजना मंजूर की गई है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री शाह ने कहा है कि विभागीय वृक्षारोपण में लघु वनोपन प्रजातियों के रोपण का दायरा 5 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक किया गया है। विभागीय पौधा रोपण में स्थानीय प्रजातियों के साथ लघु वनोपज से जुड़ी वृक्ष प्रजातियों को प्राथमिकता से लगवाया जायेगा। उन्होंने कहा है कि स्थानीय स्तर पर भागीदारी से बिगड़े वनों का सुधार कार्यक्रम में आगामी 3 वर्ष में 5 हजार ग्राम वन समितियों को लाभान्वित कराया जाएगा। इससे वनों का संरक्षण और ग्रामीणों की आजीविका को सुदृढ़ किया जा सकेगा। वनों के सुधार और जंगलों के बचाव के लिए 317 ग्राम वन समितियों की सूक्ष्म प्रबंध योजना तैयार की गई है।

उन्होंने कहा है कि वन प्रबंधन के तहत वर्ष 2021-22 में 7 लाख 68 हजार लोगों को 100 दिवस का रोजगार दिया जायेगा। इसके लिए यथाशीघ्र मास्टर प्लान तैयार कराया जाएगा। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को वनांचल क्षेत्रों का दौरा के साथ ही रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की समस्याओं को हल करने के निर्देश भी दिए हैं।

पन्ना में मिला एक पत्ती वाला दुर्लभ पलाश का पेड़

पन्ना, 22 फरवरी (ए) मध्यप्रदेश के पन्ना जिले का जंगल वन्यजीवों के साथ-साथ विलुप्ति की कगार में पहुंच चुकी दुर्लभ प्रजाति की वनस्पतियों का भी खजाना है। यहां की रतनगर्भा धरती में पलाश का एक ऐसा दुर्लभ पेड़ मिला है, जिसे 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' कहा जाता है।

यह पेड़ जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर विश्रामगंज गांव के निकट स्थित खेत की मेड पर कई दशकों से मौजूद है। यहां से गुजरने वाली रूंज नदी पर सिंचाई बांध का निर्माण चल रहा है और यह पूरा क्षेत्र रूंज डेम के डूब में आता है। जाहिर सी बात है कि समय रहते यदि इस दुर्लभ पेड़ को संरक्षित न किया गया तो इसका वजूद हमेशा के लिए मिट जायेगा।

बहुप्रचलित हिंदी की प्रसिद्ध कहावत 'ढाक के तीन पात' सभी ने सुनी होगी क्योंकि ढाक यानी पलाश की टहनी में तीन पत्ते होते हैं। इस मुहावरे का अर्थ है सदा एक सा रहना, एक जैसी स्थिति जिसमें कोई बदलाव नहीं होता। लेकिन इस बात की जानकारी बहुत ही कम लोगों को होगी कि सिर्फ तीन पत्ते वाला ही नहीं बल्कि एक पत्ते वाला भी ढाक होता है। अब यह अलग बात है कि एक पत्ते वाला ढाक का पेड़ आमतौर पर कहीं नजर नहीं आता। जबकि तीन पत्ते वाले ढाक के पेड़ों का पूरा जंगल मिल जाता है।

यही वजह है कि एक पत्ते वाले ढाक के पेड़ को अति दुर्लभ कहा जाता है। पन्ना जिले के विश्रामगंज गांव में स्थित इस विशिष्ट पेड़ की ओर अभी तक किसी का भी ध्यान नहीं गया। हाल ही में विगत दो दिन पूर्व रुंज डेम का कवरेज करने में जब यहां पहुंचा तो विश्रामगंज निवासी उन्नतशील कृषक व पर्यावरण प्रेमी हनुमंत सिंह ने इस अदभुत पेड़ के बारे में बताया। फलस्वरूप कुछ ग्रामीणों के साथ हम अरहर के उस खेत में पहुंचे जहां मेड पर एक पत्ती वाला पलाश का पेड़ लगा हुआ है।

अति दुर्लभ प्रजाति का यह पेड़ तकरीबन 25 फीट ऊंचा होगा तथा एक तरफ बांस के पौधे से घिरा हुआ है। पेड़ का तना काफी मोटा और उसका एक हिस्सा खोखला है, जिससे प्रतीत होता है कि यह पेड़ 50 से 100 वर्ष पुराना होगा। गांव के आदिवासियों का भी यही कहना है कि हम बचपन से इस पेड़ को इसी तरह से देखते आ रहे हैं। क्योंकि यह पेड़ पलाश के दूसरे पेड़ों से भिन्न था, इसलिए गांव के लोगों ने इसे बचा कर रखा, कोई क्षति नहीं पहुंचाई। लेकिन आदिवासी बहुल इस गांव के लोग अब चिंतित हैं कि यह दुर्लभ पेड़ बांध के पानी में डूब कर नष्ट हो जाएगा या फिर काट दिया जायेगा।

बांध के डूब क्षेत्र में राजस्व भूमि के साथ-साथ बड़ा क्षेत्र जंगल का भी है। तीन तरफ हरी-भरी पहाड़ियों से घिरे इस क्षेत्र में सागौन का घना जंगल है, जिसकी तेजी से कटाई हो रही है। वन अधिकारियों के मुताबिक डूब क्षेत्र में लगभग 48 हजार पेड़ों को काटा जाना है, जिनकी कटाई का ठेका हो चुका है तथा पेड़ तेजी से काटे जा रहे हैं। स्टेट फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट जबलपुर की पांच सदस्यीय टीम ने कुछ वर्षों पूर्व इस क्षेत्र के जंगल का सर्वे किया था। सर्वे टीम के सदस्य डॉ विजय पटेल और डॉ अंजना ने बताया कि जैव विविधता की दृष्टि से यह पूरा इलाका अत्यधिक समृद्ध है।

उन्होंने बताया कि रूंज डेम के डूब में आने वाला क्षेत्र संकटग्रस्त वन्य प्राणी पैंगोलिन का हैबिटेट भी है। चित्रकूट के हर्रा गांव में भी मिला था, यह पेड़।

दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के डॉ रामलखन सिंह सिकरवार ने तकरीबन 8 वर्ष पूर्व लिखा था कि चित्रकूट के जैव विविधता सर्वेक्षण के दौरान हमने एक पत्ती वाले पलाश को सतना जिले में मझगवां तहसील के मुटवा ग्राम व चित्रकूट जिले के हर्रा गांव में खोजा है। इस पेड़ की टहनी में तीन पत्ती की जगह एक पत्ती होती है। इसलिए स्थानीय लोग इसे 'एक पत्ती दाई' कहते हैं। तांत्रिकों की ऐसी मान्यता है कि यह दैवीय वृक्ष है और इसके नीचे खजाना गड़ा होता है। जानकारों के मुताबिक पलाश का पेड़ प्रकृति का एक ऐसा उपहार है जो जीवन को न सिर्फ स्वस्थ बनाता है बल्कि अपने मोहक रंगों से उत्साह, उमंग और हमेशा आनंद में रहने की प्रेरणा देता है।

सारूकुंड गांव के शौचालय निर्माण में भारी अनियमितता की शिकायत

बैपारीगुड़ा, 22 फरवरी (सन्यूस)। बैपारीगुड़ा ब्लाक के दशमंतपुर पंचायत अंतर्गत सारुकुंड गांव में शौचालय निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जाने की शिकायत है।

शिकायत है कि सारुकुंड गांव निवासी दस ग्रामीणों के घरों में स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के तहत शौचालय निर्माण कराने हेतु राशि स्वीकृत किया गया एवं संबंधित हितग्राहियों के जानकारी के बगैर ही किसी के द्वारा शौचालय निर्माण के 12-12 हजार रूपये भी आहरित कर लिया गया है। गांव में कागजी तौर पर शौचालय निर्माण कराये जाने की बात पता चलते ही ब्लाक उपाध्यक्ष त्रिलोचन जेना एवं संबंधित हितग्राहियों ने गत 11 फरवरी को कोरापुट के जिलापाल से इस बारे में शिकायत की है। बताया गया है कि उक्त शिकायत के बाद से ब्लाक के आरडब्ल्यू एसएस विभाग की ओर से संबंधित 10 हितग्राहियों के घरों में शौचालय निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह भी शिकायत है कि संबंधित विभाग की ओर से मृत लोगों के नाम से भी शौचालय निर्माण हेतु राशि आहरित कर ली गई है। उक्त अनियमितताओं को देखते हुए यह भी आशंका जताई गई है कि बैपारीगुड़ा ब्लाक के सभी 20 पंचायत क्षेत्रों में भी व्यापक अनियमितता की गई होगी।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस के बंद का रहा मिलाजुला असर

भोपाल, 22 फरवरी (ए) पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के विरोध में आज मध्यप्रदेश कांग्रेस ने दिन में दो बजे तक का बंद का आह्वान किया था, जिसका प्रदेश भर में मिलाजुला असर देखा गया। राजधानी भोपाल में कांग्रेस के आधे दिन के बंद का मिलाजुला असर देखा गया। पुराने शहर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता दुकानें और प्रतिष्ठानों को बंद कराने की अपील करते देखे गए। वहीं, पूर्व मंत्री पी सी शर्मा को पुलिस ने ऐहतियातन हिरासत में लिया। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज शुक्ला सहित कुछ अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने ऐहतियातन हिरासत में लिया है। हालाकि पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए हुए थे। इस दौरान अधिकांश दुकानें प्रतिदिन की तरह खुली हुयी ही नजर आयीं। इंदौर में भी कांग्रेस के बंद का असर मिलाजुला रहा। वहां पूर्व मंत्री जीतू पटवारी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं की अगुवायी में कांग्रेस कार्यकर्ता बाजार बंद रखने का अनुरोध करते देखे गए। इसके अलावा ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर सहित अन्य जिलों में कांग्रेस के बंद का मिलाजुआ असर रहा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस के बंद का समर्थन करने पर प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जगदलपुर जिला बस्तर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 49/ब 121/2019-2020

// उद्घोषणा //

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दयमती गोयल पति स्व. राधेश्याम गोयल जाति भतरा साकिन अब्दुल कलाम वार्ड क्र.-40 तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ.ग. ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि अपने सास स्व. सहादई पति स्व. सोमारू जाति भतरा साकिन अब्दुल कलाम वार्ड क्र.-40 की मृत्यु दिनांक 02/04/2003 को निवास स्थान अब्दुल कलाम वार्ड क्र.-40 में हुई है। आवेदक किसी कारण से अपने सास का मृत्यु तिथि 02/04/2003 को मुख्य नगर पालिक अधिकारी जगदलपुर के अभिलेख में दर्ज नही करा पाया था। वर्तमान में आवेदक को शासकीय प्रयोजन कारणों से मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। उक्त संबंध में आवेदक आवेदन पत्र, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, सरपंच/पार्षद का प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया।

उक्त आवेदन पत्र पर किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह अपनी आपत्ति न्यायालय में सुनवाई तिथि 09/03/2021 तक स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्रस्तुत दावा-आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई अथवा विचार नही की जावेगी।

आज दिनांक 22/02/2021 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
जगदलपुर

न्यायालय कलेक्टर, बस्तर जिला, जगदलपुर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र.-202012150100025
/ब-92/2020-21

एतद् द्वारा बस्तर जिले के सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नया रायपुर के पत्र क्रमांक एफ/4660/2017/आ.भू.अ./स्था-2 नया रायपुर दिनांक 29.11.2017 में दिये गये निर्देशानुसार बस्तर जिले के 07 तहसीलों प्रशासनिक सुविधा के दृष्टिकोण से युक्तियुक्तकरण के तहत् जिले में राजस्व निरीक्षक के कुल स्वीकृत पदो के अनुरूप 06 नवीन राजस्व निरीक्षक मण्डल 1. लामकेर, 2. मुण्डागांव (तहसील बस्तर), 3. मारडूम (तहसील लोहण्डीगुड़ा), 4. बड़े किलेपाल (तहसील बास्तानार), 5. नेगानार (तहसील दरभा), 6. करंजी (तहसील तोकापाल) का सृजन करते हुये वर्तमान में 14 राजस्व निरीक्षक मण्डल से 20 राजस्व निरीक्षक मण्डल का पुनर्गठन किया जाना है। पुनर्गठन का प्रस्ताव जिले के सर्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सर्व तहसीलदार के न्यायालय में उपलब्ध है।

उक्त प्रस्ताव के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था/कार्यालय को किसी प्रकार का दावा/आपत्ति हो तो इस उद्घोषणा के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर कलेक्टर (रीडर शाखा) में न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के समापन पश्चात किसी भी दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संयुक्त कलेक्टर
वास्ते कलेक्टर, जिला बस्तर

जी-87246/1